दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
भोपाल, 5 अप्रैल 2025

सत्यकथा

खंडवा : प्रेमी को बहन से मिलवाना मंहगा पड़ा प्रेमिका को, गोवा की होटल में हत्या

गोवा गई बेटी का फोन अचानक स्विच ऑफ होकर अगले दिन भी ऑन नहीं हुआ तो बात खंडवा पुलिस तक पहुंच गई जिसके अगले ही दिन गोवा पुलिस की ओर से एक होटल में उसका कत्ल कर दिए जाने की जानकारी आ गई।

मृतका भावना।

खंडवा to गोवा वाया मुंबई

15 मार्च की आधी रात बीत चुकी थी लेकिन खंडवा के रामनगर इलाके में रहने वाले विजय सिंह चौहान की आंखों से नींद अभी भी कोसों दूर थी। दरअसल उनकी 35 वर्षीय बेटी जो इन दिनों अपनी कंपनी के काम के सिलसिले में गोवा गई थी, का फोन दोपहर के बाद अचानक स्विच ऑफ हो गया था। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। शहर से बाहर होने पर भावना किसी कारण से अगर फोन ऑफ करती थी तो पहले पिता को इसकी जानकारी दे दिया करती थी। लेकिन उस रोज ऐसी कोई खबर उसकी तरफ से न मिलने से पिता को चिंता होना लाजिमी है।

इसलिए अगले दिन सुबह भी जब उनका संपर्क बेटी से नहीं हुआ तो उन्होंने भोपाल में नौकरी करने वाले अपने बेटे को पूरी बात बताकर खंडवा बुलाने के बाद उसी रोज शाम को कोतवाली थाने की रामनगर चौकी में बेटी की गुमशुदगी दर्ज करवा दी। गुमशुदगी दर्ज करवाने के बाद भी उन्हें भरोसा था कि देर सबेर भावना उन्हें अपनी कुशलता का फोन जरूर करेगी लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ उल्टे अगले दिन ही गोवा के कलंगुट थाने से उनके इलाके की एक होटल में ठहरी भावना के कत्ल कर दिए जाने की सूचना परिवार को मिल गई।

भावना का भाई तुंरत गोवा पहुंचा जहां पुलिस ने उसे शव सौंपने से पहले राजहंस होटल के वह सीसीटीवी फुटेज दिखाए जिसमें एक नकाब पोश जोड़ा 15 मार्च की सुबह होटल के कमरे में उससे मिलने आया था। यह जोड़ा पूरे 17 घंटे बाद भावना के कमरे से रात में 10 बजे बाहर निकला था। इसके अगले दिन जब भावना के कमरे में कोई हलचल नहीं हुई तो होटल प्रबंधन से पुलिस को बुलाकर कमरे का दरवाजा खोला जिसमें कमरे में अंदर भावना का शव मिला जिसे गला घोंटकर मारा गया था।

सीसीटीवी से पता चला कि 15 की सुबह एक युवक-युवती होटल में भावना से मिलने आए थे। भावना ने दोपहर में तीन लोगों के लंच भी आर्डर किया था जिससे साफ था कि मिलने के लिए आने वाला जोड़ा उसका परिचित रहा होगा।

भावना का भाई सीसीटीवी फुटेज की मदद से जोड़े की स्पष्ट पहचान तो नहीं कर सका लेकिन मिलने के लिए आने वाली जिस लड़की ने अपना चेहरा मास्क से छुपा रखा था उसके बारे में भावना के भाई का कहना था कि वो रश्मि हो सकती है। इंदौर निवासी रश्मि दूर के रिश्ते में भावना की बहन लगती थी।

पीएम के बाद भाई भावना का शव लेकर खंडवा आ गया जहां उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इधर गोवा पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे से मिले क्लू के आधार पर रश्मि के मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस की तो वह घटना दिनांक को गोवा की मिली। इतना ही नहीं रश्मि के नंबर के साथ जिस एक और नंबर की लोकेशन गोवा की उसी राजहंस होटल की मिल रही थी जिसमें भावना रुकी थी, वह नंबर भी भावना के मोबाइल में राहुल माहेश्वरी के नाम से सेव था। इस नंबर पर भावना की लंबी-लंबी बातें भी होती थी इसकी जानकारी भी पुलिस को मिल गई थी। इसलिए पुलिस ने घेराबंदी दिल्ली से राहुल माहेश्वरी और बजरंग नगर इंदौर निवासी रश्मि चौहान को हिरासत में लेकर उनके पास से लूटा गया भावना का मोबाइल और पर्स भी बरामद कर लिया।

.....

दो साल तक साथ रहने के बाद 8 साल से पति से दूर मायके में रह रही भावना की दोस्ती राहुल के मन की गहराई के छू चुकी थी। इसी बीच राहुल और भावना के बीच तलाकशुदा रश्मि आ गई जिसकी राहुल से मुलाकात खुद भावना ने अपने प्रेमी से करवाई थी।

.....

पूछताछ में दोनों की पहले तो इस मामले में कुछ भी जानने से इंकार करते रहे। दोनों ने घटना दिनांक को खुद के गोवा में होने की बात को भी नकारा लेकिन पुलिस के सामने उनकी एक नहीं चली जिसके बाद पूरी कहानी खुलकर सामने आ गई।

खंडवा में रहने वाले विजय सिंह चौहान की दो संतानों में भावना बड़ी है। सुंदर और सुशील भावना की शादी 2015 में रतलाम निवासी एक युवक के साथ हुई थी। लेकिन शादी के बाद दोनों की ज्यादा समय तक नहीं बनी। एक बेटी के जन्म के बाद 2017 में भावना अपनी बेटी को लेकर पिता के घर खंडवा आ गई। तब से भावना पिता के साथ ही रह रही थी। मायके में रहते हुए भावना की नौकरी इंटास फार्मास्युटिकल्स में लग गई। वह कंपनी के लिए इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर आदि में आर्डर पर मेडिकल उपकरण सप्लाई का काम देखती थी।

धीरे-धीरे पति से दूर हुए भावना को दो साल से भी अधिक का समय बीत चुका था। ऐसे हालात में हर एक का मन भटक सकता है सो भावना का भी भटकता था।

लगातार...

नकाबपोश जोड़े ने की थी गोवा की होटल में भावना की हत्या।

...पृष्ठ 1 से जारी

खंडवा/गोवा का भावना चौहान हत्याकांड

संयोग से इसी भटकन के बीच उसकी सोशल मीडिया पर उसकी मुलाकात दिल्ली की एक मीडिया कंपनी में जाब करने वाले राहुल माहेश्वरी से हुई। यह मुलाकात वक्त के साथ दोस्ती में बदलती गई जिसके बाद एक समय ऐसा भी आया कि जब भावना आफिस के टूर पर खंडवा से बाहर जाती तो वहां राहुल भी उससे मुलाकात करने पहुंच जाता।

फोन में थे सबूत

पुलिस के अनुसार हत्या के बाद रश्मि और राहुल, भावना का मोबाइल एवं पर्स अपने साथ ले गए थे। दरअसल भावना के मोबाइल में राहुल के साथ उसके कुछ ऐसे फोटो और वीडियो थे जो अदालत में राहुल के लिए मुश्किल पैदा कर सकते थे। इसलिए आरोपियों की योजना भावना का मोबाइल चुराने की थी जो उसकी हत्या करने के बाद संभव हो सकी।

जिससे समय के साथ उनके बीच की दूरी घटने के साथ दोनों एक दूसरे की नजदीकी को दिल के कहीं गहरे में महसूस करने लगे। भावना ने राहुल को सब कुछ साफ बता रखा था। अपनी बेटी के बारे में भी जो नाना के प्यार की छांव में पलकर बड़ी हो रही थी।

प्यार को अंधा यूं ही नहीं कहा जाता। जाने इसमें ऐसा क्या होता है कि प्यार में पड़ने वाला हर एक शख्स अपने साथी पर आंख बंद करके भरोसा करने लगता है। भावना पर भी प्यार ने ऐसा ही असर डाला था इसलिए उसे विश्वास था कि राहुल उसे कभी धोखा नहीं देगा। जिसके चलते एक समय ऐसा भी आया जब उसे लगने लगा कि धीरे-धीरे उसके परिवार को भी राहुल के बारे में जानकारी हो जाना चाहिए।

इसके लिए उसने सुरक्षित रास्ता चुनते हुए राहुल की पहली मुलाकात अपने रिश्ते की बहन रश्मि से करवाने की योजना बनाई। तलाकशुदा रश्मि उम्र में भावना से बड़ी थी और इंदौर के बजरंग नगर में रहती थी।

इसलिए दो साल पहले जब आफिस के काम के सिलसिले में भावना इंदौर आई तो उसके कहने पर राहुल भी इंदौर पहुंच गया। यहां योजना अनुसार भावना से उसकी मुलाकात रश्मि से करवा दी। भावना

रश्मि के साथ राहुल के गोवा में होने की जानकारी लगते ही गुस्से से भरी भावना भी गोवा पहुंच गई जहां विवाद बढ़ने पर राहुल और रश्मि ने भावना की हत्या कर दी।

चाहती थी कि रश्मि से होकर यह बात धीरे-धीरे उसके परिवार वालों तक पहुंच जाए कि वो किसी को पसंद करने लगी है। लेकिन हुआ वो जिसकी भावना ने कल्पना भी नहीं की थी।

भावना सुंदर, सुशिक्षित और बेहद सुशील थी। रश्मि में भी तीन ही गुण थे अंतर केवल इतना था कि वह भावना की तरह सुशील न होकर बेहद ही बिंदास

demo pic.

किस्म की थी। राहुल को रश्मि का यह बिंदास अंदाज बेहद पंसद आया तो रश्मि को पूरा का पूरा राहुल ही पंसद था। इसलिए कुछ ही समय के बाद राहुल और रश्मि, भावना की जानकारी के बिना फोन पर घंटो बातें करने लगे। जिससे जल्द ही रश्मि ने राहुल को पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया।

दोनों अपने इस रिश्ते को भावना से छुपाए हुए थे लेकिन ऐसी बातें छुपती कहां हैं। भले की भावना को रश्मि के साथ राहुल के रिश्ते की जानकारी नही लगी मगर राहुल के बदले व्यवहार से उसे यह शक जरूर हो गया कि राहुल अब उसमें पहले जैसी रुचि नहीं लेता। उसने एक दो बार राहुल को टोका भी तो राहुल ने इसे भावना के मन का भ्रम बताकर बात टाल दी। लेकिन भावना समझ गई कि राहुल की जिंदगी में कोई ओर आ चुकी है।

यह कोई और कौन है इसका पता लगाने की ठान कर भावना ने राहुल के हाव-भाव के साथ उसकी बातों पर ध्यान देना शुरू किया जिसमें जल्द ही उसकी समझ में आ गया कि राहुल मेरे से बात करने के दौरान रश्मि के मैटर में बात करने में ज्यादा रुचि लेने लगा है। इतना ही नहीं पहले भावना, राहुल को जिस भी शहर में मिलने आने का कहती वह एक बार के कहे पर आ जाता था। लेकिन अब वह इंदौर आकर मिलने में ज्यादा रुचि लेने लगा था। इसलिए उसने रश्मि से मिलकर बात की तह तक पहुंचने की कोशिश की जिसमें उसे जल्द ही इस बात का अंदाजा हो गया कि राहुल को उससे छीनने वाली कोई और नहीं बल्कि रश्मि ही है।

भावना को सच्चाई का अहसास हो चुका है इस बात को उजागर किए बिना उसने राहुल को वापस अपने पाले में लाने की कोशिश की लेकिन राहुल का मन तो अब बिंदास रश्मि से लग चुका था। इसलिए काफी प्रयास के बाद भी जब भावना ने देखा कि राहुल लगातार रश्मि के नजदीक होता जा रहा है तो उसने वादे के मुताबिक राहुल पर दबाव बनाया कि वो उसके साथ शादी कर ले।

अपितु एक वक्त ऐसा भी था जब राहुल भावना के साथ शादी करने के लिए शतप्रतिशत कमिट था लेकिन जब से उसका संग रश्मि से हुआ था उसे रश्मि के साथ रहना ज्यादा अच्छा लगने लगा था इसलिए वह भावना से शादी वाली बात टालने लगा।

इस पर कुछ समय तक तो भावना चुप रही लेकिन एक रोज उसे राहुल से साफ बता दिया कि वो अच्छी तरह से जानती है कि वो उससे शादी की बात क्यों टाल रहा है। उसने राहुल को बताया कि मैं जानती हूं कि आजकल तुम्हारे मन का भंवरा रश्मि के प्यार के बगीचे में भटक रहा है। उसने राहुल को समझाया और अपनी जिंदगी में वापस लाने की कोशिश की लेकिन राहुल ने रश्मि से मिलना नहीं छोड़ा।

इसलिए परेशान होकर एक रोज भावना ने उससे साफ कह दिया कि वो जल्द से जल्द अपना निर्णय बता दे वर्ना वो उसके खिलाफ शादी का वादा कर बलात्कार करने के आरोप में सलाखों के पीछे पहुंचा देगी।

भावना ने ही करवाई थी रश्मि से मुलाकात

जिस रश्मि के कारण राहुल ने भावना से रिश्ता खत्म कर लिया था उस रश्मि से राहुल की मुलाकात भावना ने ही करवाई थी। दरअसल रश्मि दूर के रिश्ते में भावना की बहन लगती है। तलाकशुदा रश्मि इंदौर में रहती है। रश्मि से मुलाकात के बाद राहुल और रश्मि एक दूसरे के करीब आ गए थे। जिससे राहुल भावना से दूर होता जा रहा था।

भावना की बात सुनकर राहुल डर गया क्योंकि वह जानता था कि भावना के मोबाइल में उन दोनों के निजी पलों के अनेक महत्वपूर्ण सबूत हैं जिसकी मदद से वह उसे आसानी से बलात्कार के मामले में आरोपी बना सकती है। लेकिन राहुल मीडिया संस्थान से जुड़ा था इसलिए उसने भावनाा की धमकी पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया क्योंकि उसे लगता था कि वो अपने मीडिया रसूख के चलते ऐसे किसी मामले आसानी से बाहर निकल आएगा।

इधर खंडवा में रहकर भावना, राहुल से खासकर अपने रिश्ते की बहन रश्मि से मिले धोखे से काफी परेशान थी जिसने उसके प्यार को अपने बिंदास अंदाज से छीन लिया था।

भावना जिस कंपनी में काम करती है उसका मुख्यालय मुंबई में है इसलिए कई बार काम के सिलसिले में उसे मुंबई भी जाना होता है। जिसके चलते 7 मार्च को वह अपनी बेटी को पिता के पास छोड़कर मुंबई चली गई। संयोग से इसी बीच उसे

मालूम चला कि उसका प्रेमी राहुल इन दिनों अपनी नई प्रेमिका रश्मि के साथ गोवा में क्वालिटी टाईम बिता रहा है। यह जानकारी लगते ही वह पागल हो गई और राहुल के साथ आरपार का फैसला करने की ठान का 14 मार्च को वह गोवा पहुंच गई।

गोवा में भावना कलगुंट थाना इलाके की होटल राजहंस में रुकी। गोवा पहुंचकर उसने राहुल को फोन कर बताया कि वो भी उसी शहर में है जहां तुम रश्मि के साथ मस्ती करने आए हो। लेकिन जो हुआ सो हुआ गलती मेरी थी जो मैंने तुम्हें रश्मि से मिलवाया था। मुझे नहीं मालूम था कि रश्मि मुझसे मेरा प्यार छीन लेगी। अब तुम साफ बताओ कि मुझसे शादी कब कर रहे हो।

और न करूं तो? भावना की बात सुनकर राहुल ने लापरवाही से कहा।

तो फिर जेल जाने तैयार रहो। कहकर भावना ने गुस्से में फोन काट दिया।

जिस समय भावना ने राहुल को फोन किया था उस समय राहुल और रश्मि अपनी होटल के कमरे में एक दूसरे में खोए थे। लेकिन भावना का फोन आने से राहुल का मूड खराब हो गया। इस पर राहुल और रश्मि ने विचार किया कि भावना उन दोनों को शांति से नहीं रहने देगी। दूसरे राहुल को जेल जाने का भी डर था इसलिए दोनों ने तुरंत एक योजना बनाकर भावना को फोन कर कहा कि ठीक है वे कल सुबह उससे मिलेंगे फिर बैठकर सारी बात कर लेते हैं।

अगले दिन रश्मि और राहुल सुबह पांच बजे ही भावना की होटल में पहुंच गए। इस दौरान राहुल ने भावना को समझाने की कोशिश की वो उसे गलत न समझे लेकिन वो भावना से शादी नहीं कर पाएगा।

क्या गलत न समझूं, तुम मेरे सामने मेरे रिश्ते की तलाकशुदा बहन के साथ गोवा में घूम रहे हो। तुम इसे किसलिए गोवा लाए हो या यह तुम्हारे साथ क्यों गोवा आई है क्या मैं नहीं जानती। अच्छे से जानती हूं क्योंकि कल तक तुम अपने आप को मेरा होने का दम भरते थे। इसलिए तुम यह सोचते हो कि तुम्हारे इस नए सुख के लिए मैं तुम्हें फ्री छोड़ दूंगी तो तुम गलत सोचते हो।

भावना की बात सुनकर राहुल मन ही मन मुस्कराया। क्योंकि वो रश्मि के साथ भावना की कहानी खत्म करने ही आया था। उसकी योजना भावना का मोबाइल अपने कब्जे में करना था जिसमें उसके और भावना के प्यार के सबूत कैद थे। जांच में सामने आया कि रश्मि और राहुल दोनों सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक पूरे 17 घंटे भावना को समझाते रहे लेकिन जब भावना नहीं मानी तो दोनों ने उसका गला घोंटकर हत्या कर दी और उसका मोबाइल तथा बैग लेकर भाग गए। दोनों का सोचना था कि चेहरे पर मास्क होने के कारण उनकी पहचान नहीं हो सकेगी। फिर गोवा में उनको जानता भी कौन था लेकिन पुलिस ने चंद रोज में ही दोनों को दिल्ली और इंदौर से गिरफ्तार कर लिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

आरपार का फैसला करने गई थी गोवा

काम के सिलसिले में मुंबई गई भावना को जब राहुल और रश्मि के एक साथ गोवा में घूमने की जानकारी लगी तो वह आरपार का फैसला करने गोवा पहुंच गई। जहां राहुल और रश्मि ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

रायपुर

दूसरे युवक से दिल लगाया तो नाबालिग प्रेमी ने कर दी शादीशुदा प्रेमिका की हत्या

demo pic.

नाबालिग का शादीशुदा इश्क

प्रेमिका की हत्या करने वाला मनोज पहले भी बलात्कार के एक मामले में जेल जा चुका है। मनोज ने हत्या के बाद अपनी प्रेमिका केप्राइवेट पार्ट को बुरी तरह घायल कर दिया था ताकि पुलिस उस पर शक न करे।

23 मार्च की सुबह रायपुर के धरसींवा थाना प्रभारी को इलाके के गांव मोहदी के एक खेत में किसी महिला का नग्न शव पड़ा होने की सूचना मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए धरसींवा थाना प्रभारी घटना की सूचना सीएसपी पूर्णिमा लांबा को देखकर दलबल सहित मौके पर पहुंच गए।

लगभग 25-27 साल की युवती के शव के गले, स्तन, प्राइवेट पार्ट और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरे घाव थे। शव के पास ही एक रक्त से सनी चम्मच पड़ी थी जिससे साफ था कि युवती की हत्या इसी चम्मच से की गई है। शव की शिनाख्त खोली थाना के खरोरा गांव निवासी सरिता (बदला नाम) के रूप में हुई जिसकी गुमशुदगी की शिकायत एक रोज पूर्व ही विधानसभा थाना में उसके पति ने दर्ज करवाई थी। पति के अनुसार सरिता 17 मार्च की रात से अचानक घर से गायब हुई थी। जिसके बाद दो-तीन दिन तक पति अपने स्तर पर उसकी तलाश करता रहा था।

शव की पीएम रिपोर्ट से साफ हो गया कि घटना से पहले मृतका के साथ बलात्कार किया गया है। मृतका के शरीर और गुप्तांग पर किसी गैर धारदार वाली वस्तु से बार किए गए थे जिससे पुलिस समझ गई कि सरिता की हत्या में चम्मच का उपयोग किया गया है।

पुलिस टीम ने सरिता के बारे में जानकारी जुटाई जिसमें पता चला कि सरिता की शादी 8 साल पहले फोकटपारा गांव में हुई थी। लेकिन शादी के बाद से ही उसका पति घर जवांई के रूप में खरोरा गांव में रह रहा था।

चूंकि 17 की रात में सरिता खुद अपनी मर्जी से घर से लापता हुई थी। इससे पुलिस का अनुमान था कि सरिता के संबंध किसी युवक से रहे होंगे। सरिता रात में उससे मिलने आई होगी तथा इसी दौरान किसी विवाद के कारण उसकी हत्या कर दी गई होगी। इसलिए जब इस ऐंगिल से गांव में जांच की तो पता चला कि सरिता के अवैध संबंध गांव के एक नाबालिग युवक मनोज (काल्पनिक नाम) के साथ थे। लेकिन नाबालिग युवक इस तरह सरिता की हत्या कर सकता है इस बात की संभावना कम ही थी।

लेकिन गांव में नाबालिग मनोज के साथ दो बच्चों की मां सरिता के प्रेम प्रसंग की चर्चा आम थी इसलिए पुलिस ने मनोज को बुलाकर उससे पूछताछ की जिसमें मनोज ने सरिता के साथ अपने किसी भी तरह के संबंध होने से मना किया। पुलिस ने भी उसे पूछताछ के बाद वापस जाने दिया। लेकिन दो दिन बाद जब पुलिस को जानकारी लगी कि मनोज पहले भी एक बलात्कार के मामले में आरोपी रह चुका है तब उसे कुछ दिन तब बालसुधार गृह में भी रखा गया था।

यह बात सामने आने पर पुलिस ने एक बार फिर मनोज को थाने बुलाकर उसे अपने सवालों में घेरा तो कुछ देर में वह टूट गया। उसने न केवल सरिता के साथ अपने अवैध रिश्ते की बात स्वीकार कर ली बल्कि यह भी बताया कि सरिता पिछले कुछ दिनों से गांव के एक दूसरे युवक से मिलने लगी थी। जिसके चलते उसने आरोपी से एकांत में मिलना कम कर दिया था। इसलिए जलन की भावना से आहत होकर उसने सरिता की हत्या की है। इस मामले में उसके दो दोस्त समीर निषाद और कोमल धीवर ने उसकी मदद की थी। इसलिए पुलिस ने इन दोनों को भी गिरफ्तार कर इनके पास से हत्या में प्रयुक्त मोटर साइकल बरामद कर दो को जेल और नाबालिग मनोज को बाल संप्रेषण गृह भेज दिया जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

खोली थाना सीमा के खरोरा गांव की सरिता किशोर उम्र में ही अपनी खूबसूरती और चंचल स्वभाव के लिए सब दूर चर्चा में रहने लगी थी। बताते हैं कि इसी दौरान गांव के एक दो युवकों ने उसकी मासूमियत का फायदा भी उठाया था। सरिता घर की अकेली बेटी थी इसलिए पिता ने जल्द ही उसकी शादी पास के एक गांव में कर दामाद को घर जंवाई के तौर पर रख लिया था।

चौदह साल के मनोज को दो बच्चों की मां सरिता ने इश्क के सारे पाठ पढ़ाने के बाद इस अनाड़ी को छोड़ गांव के खिलाड़ी युवक से नजदीकी बढ़ाने लगी थी। लेकिन उसे इस बात का इल्म नहीं था कि इससे नाराज होकर यह अनाड़ी उसकी हत्या भी कर सकता है।

शादी के बाद भी सरिता को मायका नहीं छूटा इसलिए वह गांव में बेटी की तरह ही घूमती रहती थी। कहना नहीं होगा कि शादी के बाद सरिता का रंगरूप और भी अधिक खिल जाने से उसके चाहने वाले पहले की तुलना में और भी ज्यादा हो चुके थे जिनमें एक था मनोज जिसकी उम्र केवल 14 साल की थी।

14 की उम्र में भी मनोज नारी संग की इच्छा लेकर गांव में मौके की तलाश में घूमने लगा था। जिसके चलते उसने एक रोज गांव की एक नाबालिग लड़की को सुनसान खेत में पकड़ कर उसके साथ बलात्कार कर डाला। लेकिन यह बात पुलिस तक पहुंची तो आरोपी के तौर पर मनोज को हिरासत में लिया गया लेकिन नाबालिग होने के चलते उसे जल्द ही जमानत मिल गई।

बलात्कार के बाद मनोज गांव वालों की खासकर महिलाओं और युवतियों की चर्चा का विषय बन गया। संयोग से मनोज के घर के पास ही बीस साल की एक युवती रहती थी। जब उसे मनोज की इस हरकत के बारे में पता चला तो उसने मनोज से दोस्ती कर उसके साथ संबंध बना लिए। इससे मनोज समझ गया कि औरतों को खुद भी इस बात की जरूरत होती है।

कोई साल भर बाद ही मनोज की उस बीस वर्षीय प्रेमिका की शादी तय होने पर जब मनोज ने प्रेमिका के सामने नाराजी जाहिर की तो उसने कहा कि नाराज न हो वह शादी होकर जाने से पहले उसके संबंध सरिता से बनवा देगी। दरअसल सरिता के साथ उस लड़की की दोस्ती ही नहीं थी बल्कि वह सरिता को मनोज के साथ अपने रिश्ते की बात भी बता चुकी थी।

मृतका।

इसलिए शादी से पहले उसने एक रोज सरिता को अपने घर बुलाकर उसे मनोज के साथ सूने कमरे में भेज दिया। सरिता मनोज से उम्र में लगभग दस साल बड़ी थी। एक बच्चे की मां भी बन चुकी थी लेकिन सरिता का संग मनोज को और इस लिटिल प्रेमी मनोज का संग सरिता के मन को भा गया।

इसके बाद मनोज और सरिता आए दिन गांव के बाहर एकांत में मिलने लगे। सरिता को मनोज जैसे अनाड़ी प्रेमी को प्यार के दौरान गाइड करना अच्छा लगता था। लेकिन कुछ ही समय के बाद गांव के कुछ लोगों ने मनोज और सरिता को आपस में बातचीत करते देख लिया। इसके खबर सरिता के पति को लगी तो उसने सरिता को मनोज से बात करने के लिए मना किया। दरअसल रेप केस के बाद मनोज गांव में बदनाम हो चुका था इसलिए सरिता का पति नहीं चाहता था कि उसकी पत्नी ऐसे बदनाम युवक से बात भी करे।

शेष पृष्ठ 7 पर...

योजना थी बलात्कार की कर दी हत्या

खेत में पड़ी लाश।

बताया जाता है कि सरिता द्वारा बेरुखी दिखाने से नाराज मनोज अपने दो साथियों के साथ सरिता के संग गैंगरेप कर उसे सबक सिखाना चाहता था। लेकिन सरिता गांव के दो अन्य युवकों के सामने मनोज से संबंध बनाने राजी नहीं हुई तो मनोज ने गुस्से में आकर चम्मच की मदद से उसकी हत्या कर दी।

पुलिस जांच भटकाने किया प्राइवेट पार्ट पर हमला

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

पुलिस इस मामले को बलात्कार के लिए हत्या का समझे इसलिए सरिता की मौत के बार शातिर नाबालिग ने न केवल सरिता के शरीर का निचला हिस्सा निर्वस्त्र कर दिया बल्कि उसके प्राइवेट पार्ट पर भी चम्मच से पच्चीसों बार हमला किया ताकि पुलिस सरिता की हत्या के मामले में उसके किसी नए प्रेमी को आरोपी समझ कर जांच में उलझी रहे।

जबलपुर

प्रेमी को मालामाल करने पति को लाखों का चूना लगाने वाली शातिर पत्नी

शादी के चार महीने बाद ही प्रेमिका की ससुराल में उसका मुंहबोला भाई बनकर पहुंचे आराधना के मायके के प्रेमी आकाश नेमा ने खुद को बड़ों-बड़ों का खास बताते हुए दीदी को टीचर और जीजाजी को पटवारी बनवाने की गारंटी ली थी। जिसके बाद पति की जेब से माल निकालकर प्रेमी की जेब में भरने का काम दीदी बनी प्रेमिका ने कर दिया।

demo pic.

पिया कंगाल आशिक मालामाल

डॉ. देवेन्द्र साहू

पति को पैरों पर लाकर प्रेमी को लक्जरी कार दिलाने वाली आराधना ने अपने प्रेमी की मदद से घर के सारे सोने के जेवर को हूबहू नकली जेवर से बदल दिया था।

जबलपुर के राइट-टाऊन इलाके में रहने वाले सेवा निवृत राजस्व निरीक्षक रुद्र प्रताप मिश्रा ने पूरी जिंदगी में खुद को इतना असहाय कभी भी महसूस नहीं किया था। राजस्व निरीक्षक जैसे सम्मानीय पद पर रह चुके श्री मिश्रा ने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें ऐसी पैसों की ऐसी तंगी भी झेलनी पड़ेगी।

वह जानते थे कि इस कंगाली का एकमात्र कारण उनकी शातिर बहू आराधना (बदला नाम) और सीधा साधा बेटा आदित्य है जो पत्नी के कहने पर बड़ा धोखा खा चुका था। लेकिन जो हुआ सो हुआ यह सोचकर रुद्र प्रताप सिंह ने अलमारी से अपनी पत्नी के जेवर निकाले और उनके बदले कुछ लोन लेने के लिए एसबीआई की शाखा जा पहुंचे जहां लोन संबंधी लिखा पढ़ी के दौरान उस समय उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई जब बैंक ने उन्हें बताया कि आप जो जेवर लेकर आए हैं उनके बदले में बैंक आपको फूटी कोड़ी भी लोन के तौर पर नहीं दे सकता क्योंकि सारे के सारे जेवर नकली है।

मिश्रा जी को समझते देर नहीं लगी कि यह करतूत किसी ओर की नहीं बल्कि उनकी बहू की है। इसलिए उन्होंने घर आकर बहू से उसके जेवर मांगे तो वह सीधे-सीधे जवाब देने के बजाए सांप-गुहेरे दिखाने लगी।

पानी सिर से ऊपर हो चुका था इसलिए बेटे आदित्य ने तुरंत नरसिंहपुर से अपने ससुर को बुलाकर पूरी बात बताने के बाद विवाद टालने के लिए पत्नी को भी उनके साथ मायके भेज दिया। लेकिन अब आदित्य के साथ-साथ उसके पिता भी चुप रहने के लिए तैयार नहीं थे। क्योंकि नकली जेवर कांड से पहले आराधना अपने मुंहबोले भाई की जेब भरने लगभग 40 लाख रुपए का चूना ससुराल को लगा चुकी थी। इसलिए अपनी मेहनत की कमाई को बहू द्वारा यूं अपने आशिक पर लुटा देने से नाराज होकर पिता-पुत्र ने 25 फरवरी को मदनमहल थाने जाकर आराधना और उसने मुंहबोले भाई नरसिंहपुर निवासी आकाश नेमा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवा दिया। इसलिए लगभग 38 लाख की इस ठगी की जांच के बाद पुलिस ने मार्च के पहले हफ्ते में नरसिंहपुर से आराधना और आकाश नेमा को हिरासत में लेकर दोनों ने पूछताछ की जिसमें पहले तो दोनों ही इस मामले में खुद को बेकसूर बताते रहे लेकिन अंततः उन्होंने मान लिया कि दोनों ने मिली भगत कर पुरानी असली जेवर की जगह नकली जेवर रखकर माल उड़ाया था।

पूछताछ में मालूम चला कि जो 38 लाख रुपए आराधना को टीचर और उसके पति आदित्य को पटवारी बनवा देने के नाम पर आकाश ने उनसे ठगे से उस रकम से कुछ पैसे में आकाश ने अपना मकान बनवाने के अलावा एक लक्जरी कार खरीद ली थी जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया जबकि सोने के असली जेवर दो स्थानों पर आकाश और आराधना ने मिलकर गिरवी रखे हुए थे जिनको भी बरामद कर लेने बाद प्रेमी को मालामाल बनाने के लिए एक पत्नी द्वारा पति को कंगाल कर देने की यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

मूलरूप से सिवनी जिले के रहने वाले रुद्र तिवारी राजस्व निरीक्षक के पद से सेवा निवृत होने के बाद जबलपुर में अपना ठिकाना बनाकर रह रहे थे। उनका इकलोता बेटा आदित्य उनके साथ रहता था।

सन 2021 में उन्होंने काफी देखभाल कर बेटे आदित्य की शादी नरसिंहपुर निवासी युवती आराधना के साथ कर दी। शादी के बाद आराधना और आदित्य का वैवाहिक जीवन चैन से बीत रहा था कि तभी इनकी कहानी में आकाश नेमा की ऐंट्री हुई।

शादी के कोई चार महीने बाद जब आकाश पहली बाहर आराधना की ससुराल में आया तो आराधना ने अपने पति से उसका परिचय मुंहबोले भाई के तौर पर करवाया। उसने बताया कि आकाश उसकी सबसे खास सहेली का भाई है इसलिए बचपन से आकाश एक भाई की तरह से उसका ध्यान रखता आया है।

कहते हैं सारी खुदाई एक तरफ और जोरु का भाई एक तरफ, इसलिए आदित्य ने भी आकाश को हाथों-हाथ लिया। इसका एक कारण यह भी था कि आकाश सगा साला होता तो उसके स्वागत में ऊंच-नीच चल भी जाती लेकिन यह तो मुंहबोला साला था इसलिए आदित्य ने उसका पूरा ध्यान रखा।आकाश ने भी आदित्य को सम्मान देने में कोई कसर नहीं रखी। वह आराधना को दीदी कहता था इसलिए जीजाजी कहते हुए आदित्य और उसके पिता जी के पैर छूकर उनका दिल जीत लिया।

दूसरी बार आकाश कोई महीने भर बाद फिर जबलपुर आया तो आराधना ने उससे शिकायत करते हुए कहा कि नरसिंहपुर कोई जबलपुर से दूर नहीं है जो तुम महीने भर बाद आए हो। इस पर आकाश ने हंसते हुए कहा कि दीदी तुम तो जानती हो लोग अपने काम के लिए मेरे पीछे किस तरह से पड़े रहते हैं। इसलिए कभी भोपाल तो कभी दिल्ली के चक्कर लगाने में ही समय नहीं मिलता।

मालूम है मालूम है। सबके काम करवा देना बस एक अपनी दीदी का काम मत करवाना जिसे करवाने का तुमने मुझे वचन भी दे रखा है आराधना ने उसे उलाहना देते हुए आदित्य को बताया कि मालूम है आपको मुझे सरकारी स्कूल में टीचर बनने का बेहद शौक है और आकाश ने मुझसे वादा भी किया था कि वो मेरी नौकरी सरकारी स्कूल में जरूर लगवा देगा। कुछ याद है तुम्हें या नहीं, उसे आकाश से कहा तो आकाश कान पकड़ते हुए बोला याद है दीदी। बस कुछ समय और दे दो फिर अपना दिया वचन जरूर पूरा कर दूंगा बस आप नाराज न हो और हां काम में जो देरी हुई उसकी सजा के तौर पर मैं जीजाजी को भी मास्टर बनवा दूंगा।

अरे नहीं मास्टरी तो हम लड़कियों को ठीक है जीजाजी को तो तुम पटवारी बनवा दो।

अरे हां, यह तो मैंने सोचा भी नहीं। ओके डन, जीजाजी आप चिंता न करो कुछ वक्त दो मुझे फिर आप पटवारी और मेरी बहन मास्टरनी।

आकाश की बात सुनकर आदित्य भी मन ही मन खुश हो गया। लेकिन औपचारिकता के चलते उसने कहा अरे ठीक है तुम तो अपनी बहन की इच्छा पूरी कर दो। मेरा तो वैसे भी चल ही रहा है। नहीं जीजाजी अब आप पहले हैं और दीदी बाद में। आखिर इतना तो मुझे हक है कि दीदी से पहले जीजाजी का ख्याल रखूं।

अरे वाह तुम तो यहां भी पार्टी बदलने लगे। आकाश की बात सुनकर आराधना ने हंसते हुए कहा। फिर बोली हां आकाश सुनो भले ही मेरी मास्टरी थोड़ी लेट हो जाए। अभी तुम्हारी भोपाल में पकड़ काफी अच्छी है पहले जीजाजी को पटवारी बनवा दो।

इधर थोड़ी देर बाद आकाश चला गया तो आराधना ने अपने पति और ससुर को बताया कि आदित्य की भोपाल की राजनीति ही नहीं बल्कि नौकरशाही में भी बहुत पकड़ है। इसने अपने दो चचेरे भाईयों को तो डीएसपी बनवा दिया है। और भी कितने लोगों के काम करवाये हैं। हां पैसा जरूर लगता है लेकिन मुझसे पैसा थोड़ी न लेगा वो।

वो ठीक है लेकिन देखो ऐसे काम में पैसा तो लगता ही है। इसलिए तुम उससे पूछ लेना जो लगेगा हम दे देंगे पत्नी की बात सुनकर आदित्य ने कहा।

अब आप इतना बोल रहे हो तो मैं उससे पूछ लूंगी। पूंछ क्या लूंगी जवरन उसकी जेब में रख दूंगी। सरकारी नौकरी है जो लगेगा कुछ ही साल में निकल आएगा।

आदित्य ने यह बात अपने पिता को बताई तो उन्होंने साफ मना कर दिया। उनका कहना था कि रिश्वत देकर ली नौकरी कभी सफल नहीं होती। मालूम नहीं कब भेद खुल जाए। पैसा भी जाएगा और नौकरी भी ऊपर से जेल अलग जाना पड़ेगा। हमें ऐसा काम नहीं करना। भगवान का दिया सब कुछ है हमारे पास।

ससुर ने मना कर दिया तो आराधना को दिल बैठ गया। उसने पति से कहा कि क्या सचमुच आकाश पर भरोसा नहीं करते।

नहीं ऐसी बात नहीं है। लेकिन पिताजी जब तक राजी नहीं होंगे हम पैसा कैसे दे सकते हैं।

न करो उस पर भरोसा, आप को मेरे ऊपर तो भरोसा है न, कि मेरे ऊपर भी नहीं है।

अरे तुम कैसी बातें कर रही हो।

खुली-खुली।

अच्छा गुस्सा न हो। पहले आकाश से बात तो करो। फिर देखते है क्या हो सकता है।

देखते नहीं यह काम करना ही है वर्ना वो कहेगा कहां कि नंगे लोगों के घर शादी हुई है दीदी की।

अगली बार आकाश आया तो आराधना ने उससे काम में लगने वाले पैसों के बारे में पूछा। आराधना की बात सुनते ही वह भड़क गया। उसका कहना था कि वो क्या इतना गया गुजरा है जो बहन से काम के पैसे लेगा। लेकिन आदित्य ने समझाया कि भाई यह पैसा मैं आपके लिए नहीं लेकिन ऊपर जो लगता है वो तो हम से ले लो। आकाश इस पर भी नाटक करता रहा लेकिन उसने बाद में बता दिया कि 25 लाख पटवारी के और 12 लाख रुपए टीचर के काम में लगेंगे।

ठीक है हम काम होते ही इतना दे देंगे आदित्य ने उससे कहा।

अरे काम होते क्या। भैया कहीं भाग थोड़ी न रहा है। हम पहले दे देंगे, पति की बात काटते हुए आराधना बोली। जिसके बाद 17 अगस्त 22 से 7 जुलाई 24 के बीच आदित्य ने पिता से छुपकर 38 लाख रुपए आकाश को दे दिए।

पैसा देने के बाद आदित्य काम होने का इंतजार करने लगा। लेकिन जब कई महीने बीतने पर भी न तो उसकी नौकरी लगी और न आराधना की तो उसने आकाश को बार-बार फोन करना शुरु कर दिया जिससे बात आदित्य के पिता तक पहुंच गई।

बेटे ने उनके मना करने के बाद भी लाखों रुपया फंसा दिया था। लेकिन उन्होंने बजाए कोई विवाद करने के बेटे-बहू से कहा कि आकाश से पैसा वापस ले लो। उससे कहो कि हमें नौकरी नहीं चाहिए।

पुलिस द्वारा बरामद असली व नकली जेवर।

पुलिस द्वारा बरामद असली व नकली जेवर।

आदित्य ने ऐसा किया। आकाश से पैसा वापस मांगा तो वो तो विवाद करने की लगा खुद आराधना भी आकाश की तरफ हो गई। उसने आदित्य को धमकी दी कि अगर उन्होंने आकाश को परेशान किया तो वह पुलिस में दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करवाकर पूरे परिवार को फंसा देगी।

आराधना की धमकी सुनकर आदित्य और उसके पिता दोनों ही परेशान हो गए। पिता तो समझ गए कि आकाश बहू का भाई नहीं बल्कि कोई ओर ही है। लेकिन अब वह इकलोते बेटे की जिंदगी खराब नहीं करना चाहते थे इसलिए पैसा गया तो जाने दो यह सोचकर चुप रह गए।

जाहिर सी बात है कि आकाश से पैसों को लेकर विवाद हुआ तो उसका जबलपुर में आराधना की ससुराल आना-जाना बंद हो गया। लेकिन आराधना उससे दिन में कई बार फोन पर बात करती रही। आदित्य ने ऐसा करने से रोका भी मगर वह नहीं मानी।

परिवार की नगदी आकाश के खाते में पहुंच चुकी थी इसलिए बड़ी रकम की जरूरत पड़ने पर जब रुद्र मिश्रा को कोई ओर रास्ता नहीं दिखा तो वह नवंबर के महीने में पति के जेवर लेकर उनके बदले में बैंक से लोन लेने पहुंचे तो यह राज भी खुल गया कि घर के जेवर असली से नकली में बदल चुके हैं।

मुझे तो पहले से ही शक था

इस संबंध में आदित्य के रिटायर्ड आरआई पिता का कहना है कि मुझे शुरू से ही आकाश और बहू के रिश्ते को लेकर शक था। लेकिन बहू को बुरा न लगे इसलिए मैं चुप रहा। उनका यह भी कहना है कि आकाश अक्सर बेटे के काम पर जाने के बाद घर आकर बहू के साथ घंटो अकेले कमरे में बैठा रहता था।

मुंबई से बनवाए नकली जेवर

आराधना ने माना कि उसे चोरी छुपे घर में रखे सोने के सारे जेवरों की फोटो खींचकर आकाश को दे दी थी। जिसके बाद आकाश ने मुंबई जाकर ठीक उसी डिजाइन के नकली जेवर बनवाकर आराधना को दे दिए जिन्हें उसने असली जेवरों से बदल कर असली जेवर आकाश को दे दिए।

आदित्य और उसके पिता दोनों ही जानते थे कि यह किसका काम है इसलिए आदित्य ने पत्नी को मायके भेज दिया। जिसके बाद काफी सोच विचार के बाद परिवार ने 20 फरवरी को बहू और उसके तथाकथित मुंहबोले भाई के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया जिससे एक पत्नी द्वारा रचाए गए खेल का राज खुल गया।

जांच में सामने आया कि एक ही शहर के हमउम्र और एक ही बिरादरी से जुड़े आकाश और आराधना एक दूसरे को बचपन से ही जानते थे। समय के साथ उनकी जान पहचान गहराने के अलावा उनकी दोस्ती भी रंग लाने लगी और किशोर उम्र तक आते-आते दोनों प्यार के बंधन में बंध गए।

जाहिर है कि किशोर उम्र के इश्क को जवानी में रंग दिखाना ही था इसलिए उम्र के इस रंगीन पड़ाव पर आकर उनके बीच नजदीकी इस हद तक बढ़ चुकी थी कि वे एक दूसरे से अलग होकर जिंदगी बिताने के बारे में सोच भी नहीं सकते थे।

कहा तो यह भी जाता है कि आराधना के परिवार की स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं थी इसलिए उस समय आकाश ने अपनी प्रेमिका की आगे बढ़कर हर तरह से मदद की थी। आराधना आकाश के अहसानों को बदला उसकी पत्नी बनकर चुकाना चाहती थी लेकिन कई कारणों से इस रिश्ते की बात नहीं बन पाई।

आरोपी प्रेमी।

लेकिन आराधना सुंदर तो है ही इसलिए जब आदित्य के सामने उससे विवाह का प्रस्ताव आया तो उसने पल भर की देर किए बिना इस स्वीकार कर लिया। जिसके बाद आराधना आदित्य की होकर जबलपुर आ गई।

आराधना का मन आदित्य के साथ नहीं लग रहा था इसलिए मायके जाकर वह आकाश से मिली ओर उसने आकाश के सामने प्रस्ताव रखा कि वो दोनों मिलकर उसकी ससुराल का माल लूटने के बाद बाद में आराम से आपस में शादी कर जीवन बिता सकते हैं। आकाश इस पर राजी हो गया तो योजना अनुसार उसने आराधना का मुंह बोला भाई बनकर आदित्य के घर में आना-जाना शुरु कर दिया। जिसके बाद आराधना ने खुद के मास्टर ओर पति को पटवारी बनवाने के नाम पर आकाश को पति से 38 लाख रुपए दिलवा दिए। इतना ही नहीं उसने घर के सोने के सारे जेवर भी आकाश की मदद से बदल दिए।

लेकिन इन्ही जेवर को लेकर ससुर जब बैंक में गिरवी रखने पहुंचे तो जेवर के नकली होने की बात सामने आने पर लुटेरी बहू का राज खुलकर सामने आ गया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

देती थी दहेज प्रकरण में फंसाने की धमकी

आरोपी बहू।

बेटे द्वारा आकाश को 38 लाख रुपए देने की बात मालूम चलने पर जब ससुर ने आकाश से पैसा वापस मांगा तो बहू आकाश का बचाव करती रही। इतना ही नहीं उसने पति और ससुर को धमकी दी कि अगर उन्होंने आकाश के खिलाफ कार्रवाई की तो वह ससुराल वालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करवा देगी।

आनंद कलादगी एएसपी

प्रवीण धुर्वे, टीआई

दिनेश गौतम, एसआई

टीकमगढ़

बर्थ-डे के बहाने नाबालिग प्रेमिका को होटल में बुलाकर रेप कर दो दोस्त कर रहे थे ब्लैकमेल

बिजली का कोल्हू चलाने वाला रोहित साहू अपने दोस्त के साथ मिलकर शहर के रईस परिवार की बेटी को प्रेम जाल में फंसा कर प्रेमिका के पिता की तिजौरी से तेल निकालने में लगा था। लेकिन उसके षड्यंत्र का कोल्हू ज्यादा दिन नहीं चल सका।

demo pic.

दो शिकारी

जब होटल के कमरे में रोहित प्रेमिका की मासूमियत का फायदा उठाकर उसके साथ संबंध बना रहा था तब खिड़की के पर्दे के पीछे छुपे रोहित के दोस्त विशाल साहू ने ब्लैकमेल करने की नीयत से किशोरी का अश्लील वीडियो बना लिया था।

छतरपुर में रहने वाले एक रिश्तेदार के घर शादी समारोह में शामिल होने गई पत्नी का मोबाइल पर आए फोन को देखकर टीकमगढ़ के नामी व्यापारी ने फोन रिसीव किया तो सामने से उनकी पत्नी ने घबड़ाई आवाज में जो कुछ बताया उसे सुनकर उनके होश उड़ गए।

दरअसल पत्नी ने उन्हें बताया कि शादी समारोह में पहनने के लिए जब उन्होंने अपने जेवरात का बाक्स खोला तो पाया कि उसमें रखे उनके लाखों के जेवर गायब थे। परिवार के लिए लाखों रुपए भले की कोई बहुत ज्यादा महत्व नही रखते थे लेकिन चिंता की बात यह थी कि आखिर घर के अंदर से नगदी रुपए और जेवर कहां गायब होते जा रहे हैं। वास्तव में मामला कुछ यूं था कि इस परिवार के मुखिया को पिछले दिनों ही यह अहसास हुआ था कि उनके घर में रखी नगदी गायब हो रही है। शुरुआत में तो उन्होंने इसे अपना भ्रम समझा लेकिन आगे फिर उन्हें पैसे गायब होने का अहसास हुआ तो उन्होंने पाया कि केवल नगदी ही नहीं घर के कुछ जेवर भी गायब थे।

जाहिर सी बात है कि उन्हें पहला शक घर में काम करने वाले नौकरों पर हुआ इसलिए उन्होंने शक के आधार पर कुछ नौकरों को नौकरी से भी निकाल दिया। लेकिन इसके बाद भी नगदी गायब होने का सिलसिला न थमा। इसलिए अब जब पत्नी के जेवरात के बाक्स से जेवर गायब होने की बात सामने आई तो उनका माथा ठनका। क्योंकि जिन नौकर पर शक था उन्हें नौकरी से निकाला जा चुका था। घर में अतिरिक्त सावधानी भी बरती जा रही थी फिर ऐसे में पत्नी के जेवर पर हाथ किसने और कैसे साफ कर दिया। वह लगातार इस बात के बारे में सोच रहे थे जिसके चलते उन्हें ख्याल आया कि अगर बाहरी आदमी चोरी करता तो जेवर बाक्स सहित ले जाता, बाक्स छोड़कर जाने की उसे क्या जरूरत थी। इसलिए इस घटना के बाद उन्हें पहली बार लगा कि कहीं मामले में परिवार के ही किसी सदस्य का हाथ तो नहीं।

इसलिए पत्नी और बेटी के छतरपुर से लौटकर आने के बाद उन्होंने अपनी शंका पत्नी के सामने रखते हुए बेटी से पूछताछ करने को कहा तो पत्नी बोली- तुम्हारा दिमाग तो नहीं चल गया, भला रेशू (बदला नाम) क्यों ऐसा करेगी?

मैं कब कह रहा हूं कि रेशू ने जेवर चुराये हैं। लेकिन मेरी मानों प्यार से पूछताछ करो हो सकता है उसे कुछ मालूम हो।

ठीक है पत्नी ने कहा और फिर शाम को ही मौका देखकर 15 साल की बेटी रेशू को अपने पास बैठाकर उससे इस बारे में पूछताछ की।

मां द्वारा इस तरह की बात पूछने पर रेशू के बुरी तरह घबड़ा जाने से उसके मुंह से आवाज भी नहीं निकली जिससे मां समझ गई कि उनके पति का शक सच भी हो सकता है। इसलिए उन्होंने आगे बढ़कर बेटी को अपने गले से लगा लिया और सारी बात बिना किसी डर के साफ साफ बताने को कहा। मां का प्यार पाकर रेशू टूट गई और उसने जार-जार रोते हुए मां को सारी बात बता दी। जिसे सुनकर उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई। थोड़ी देर में पिता तक जब यह बात पहुंची तो वे गहरी सोच में पड़ गए।

धन गया उसकी चिंता उनको नहीं थी। चिंता तो थी अपनी बेटी की जो साल भर से दो युवकों के हाथ का खिलौना बनी न केवल मानसिक पीड़ा झेल रही थी बल्कि उसका शारीरिक शोषण भी किया जा रहा था। शाम को ही रेशू के पिता ने अपने छोटे भाई को पूरी बात बताते हुए उससे सलाह मांगी तो दोनों भाईयों ने काफी सोच विचार के बाद कानून की मदद लेने का फैसला का एसपी टीकमगढ़ मनोहर मंडलोई को पूरी बात बताते हुए कोतवाली थाने में 1 मार्च के रोज दो आरोपी रोहित साहू और विशाल साहू के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया।

मामला नाबालिग किशोरी के संग बलात्कार कर उसका वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने का था इसलिए एसपी टीकमगढ़ के निर्देश पर एएसपी सीताराम सात्या के नेतृत्व में टीआई कोतवाली पंकज शर्मा की टीम ने अगले की दिन छापामारी कर रोहित और विशाल साहू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रोहित और विशाल दोनों की ऐसी किसी घटना में अपना हाथ होने से इंकार करते रहे लेकिन जब पुलिस ने उनके साथ सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें जांच के लिए भेजने के बाद उनको अदालत में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिए जाने के बाद सोशल मीडिया पर दोस्ती के नाम पर एक किशोरी को अपने प्रेम जाल में फंसा कर उसके संग दुराचार का वीडियो बनाकर उसे वायरल कर देने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने की यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

कोई साल भर पुरानी बात है उस समय शहर के नामी रईस परिवार की बेहद शालीन किशोर बेटी रेशू एक निजी स्कूल में कक्षा दसवीं का छात्रा थी। पढ़ने लिखने में काफी तेज रेशू सोशल मीडिया से जुड़ी तो थी लेकिन उसे इसकी लत थी ऐसा कतई नहीं कहा जा सकता। जनवरी 24 में एक रोज अचानक की उसकी जान पहचान सोशल मीडिया पर ही शहर में बिजली को कोल्हू चलाने वाले 21 वर्षीय युवक रोहित साहू से हो गई। रोहित भी उसकी तरह टीकमगढ़ का रहने वाला था इसलिए दोस्ती गहराने लगी और एक रोज दोस्ती का वास्ता देकर रोहित ने उसे शहर के एक रेस्टारेंट में मिलने बुलाया।

रेशू का यह पहली गलती थी जब वह रोहित पर भरोसा कर उसने मिलने रेस्टोरेंट में चली गई इसके बाद दूसरी गलती उसने तब की जब रोहित के काफी दबाव डालने पर वह उसकी बर्थ-डे पार्टी में शेष पृष्ठ 7 पर...

कर चुकी है आत्महत्या की कोशिश

बताया जाता है कि शहर के इज्जतदार परिवार की यह शालीन किशोर बेटी आरोपियों के चंगुल में फंस कर बुरी तरह परेशान थी। परिजनों के अनुसार वह उदास रहने लगी थी और एक बार तो अचानक बेहोश हो गई थी। इसके अलावा उसने एक बार जान देने के लिए अपनी कलाई की नशे तक काट ली थीं।

होटल मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई

इसी होटल में किया गया था शोषण।

इस मामले में रेशू ने बताया कि आरोपी हमेशा उसे एक ही होटल कान्हा पैलेस में बुलाते थे। जांच में सामने आया है कि कान्हा पैलेस में आरोपियों के बिना किसी पहचान के दस्तावेज लिए कमरा दे दिया जाता था इसलिए पुलिस ने होटल मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार किया है।

मां के जेवर गायब होने पर खुला राज

आरोपियों कोर्ट ले जाती पुलिस।

पीड़ित के पिता ने बताया कि उन्हें घर से चोरी होने का शक काफी पहले हो गया था। इसलिए शक के आधार पर कुछ नौकरों को भी काम से निकाल दिया था। लेकिन इसके बाद भी चोरी नहीं रुकी तो उन्होंने बेटी से पूछताछ की जिसमें सारा राज खुल गया।

पंकज शर्मा,टीआई

...पृष्ठ 3 का शेष

जबकि यह सच तो केवल सरिता ही जानती थी कि वो मनोज केवल बात नहीं करती बल्कि उसके साथ अय्याशी भी करती है। फिर भी पति को आगे शक न हो इसलिए सरिता ने मनोज से मिलने-जुलने में सावधानी बरतना शुरू किया तो उसे जल्द ही इस बात का अहसास हो गया कि नादान युवकों से दोस्ती करना जी का जंजाल होता है। दरअसल एक तरफ जहां सरिता मनोज को संभल कर चलने को कह रही थी वहीं नादान और न समझ मनोज इस बात को समझने तैयार नहीं था उल्टे दिन रात अपनी प्रेमिका की एक झलक पाने के लिए उसके घर के आसपास मड़राने लगा। यह देखकर सरिता डर गई इसलिए उसने मनोज की अनदेखी करना शुरू कर दिया।

इससे मनोज परेशान रहने लगा। संयोग से इसी बीच एक रोज उसने सरिता को गांव के एक युवक के साथ हंस-हंसकर बात करते देखा तो उसे लगा कि सरिता ने पहले पति को धोखा देकर मेरे साथ मस्ती की अब मुझे धोखा देकर इस नए प्रेमी के साथ मस्ती कर रही है। इसलिए उसने सरिता को सबक सिखाने की ठानने के बाद अपने दो दोस्त समीर और कोमल से बात की जिस पर दोनों इस शर्त पर उसका साथ देने राजी हो गए कि मनोज सरिता के संग उन्हें मस्ती करने देगा। इसके बाद मनोज ने सरिता को फोन कर रात में मिलने बुलाया। सरिता ने मना किया तो मनोज ने धमकी दी कि अगर वो नहीं आई तो वह रात में ही उसके घर आ जाएगा। यह सुनकर सरिता डर गई और 17 मार्च की रात में चुपचाप घर से निकलकर गांव के बाहर मनोज से मिलने पहुंच गई। जहां मनोज से उसे अपनी मोटर साइकल पर बैठने को कहा और जैसे ही सरिता बाइक पर बैठी पास में छुपकर बैठे समीर और कोमल भी मोटर साइकल पर आकर बैठ गए। जिसके बाद मनोज सरिता को लेकर मोहदी गांव के पास एक सुनसान खेत में पहुंचा। समीर और कोमल जिस तरह से मोटर साइकल पर पीछे बैठकर सरिता के साथ शारीरिक छेड़छाड़ कर रहे थे उससे सरिता समझ गई कि इस तीनों का इरादा ठीक नहीं है।

demo pic.

इसलिए सूने खेत में पहुंचकर जब मनोज ने सरिता से कपड़े उतारने को कहा तो उसने साफ मना कर दिया। मनोज ने जबरदस्ती उसके कपड़े उतारने की कोशिश की तो वह चीखने चिल्लाने लगी। जिससे जब मनोज को कुछ समझ नहीं आया तो उसने पास रखी चम्मच से ही उस बार करना शुरू कर दिया। इसी दौरान एक बार सीधे उसके दिल पर लगा जिससे सरिता की मौत हो गई।

तो तीनों दोस्त लाश को वहीं छोड़कर गांव वापस आ गए। मनोज को लगता था कि चूंकि लाश गांव से काफी दूर मिलेगी इसलिए पुलिस उस पर शक नहीं करेगी लेकिन पुराने पाप की कहानी सुनकर पुलिस का शक मनोज पर गहरा जाने से राज खुलकर बाहर आ गया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

घटना के खिलाफ सड़क पर उतरे शहर के नागरिक।

...पृष्ठ 6 का शेष

शामिल होने के लिए शहर की एक होटल कान्हा पैलेस चली गई।

लेकिन कान्हा पैलेस होटल पहुंचकर जब उसने देखा कि वहां रोहित के और दूसरे दोस्त तथा परिवार वाले मौजूद नहीं थे जैसा की उसने फोन पर रेशू को बताया था तो वह उठकर वापस आने लगी मगर रोहित ने उसे अपनी कसम देकर रोक लिया।

इसी बीच रोहित का एक दोस्त विशाल साहू वहां आ गया जो अपने पिता के साथ किराना दुकान का व्यवसाय करता है। इसके बाद दोनों उसे विश्वास दिलाकर होटल के एक कमरे में ले गए जहां रेशू के

लाख मना करने और हाथ पैर जोड़ने के बाद भी रोहित ने उसकी मासूमियत का फायदा उठाकर रेशू के साथ बलात्कार कर डाला। इतना ही नहीं इस दौरान विशाल साहू ने खिड़की में लगे पर्दे के पीछे छुपकर रेशू का अश्लील वीडियो बना लिया।

रेशू रोहित की हरकत से काफी दुखी थी इसलिए उसने सोच लिया कि वह आगे से उसके साथ कोई संबंध नहीं रखेगी। इसलिए जब उसने रोहित से बात करना बंद कर दिया तो एक रोज विशाल और रोहित उसे बलात्कार का अश्लील वीडियो दिखाकर मिलने आने के लिए मजबूर कर दिया।

इस बार भी रोहित ने उसे कृष्णा पैलेस होटल में बुलाया और फिर उसकी मर्जी के खिलाफ वीडियो वायरल कर देने की धमकी देकर रेप तो किया ही साथ ही साथ विशाल साहू ने उससे वीडियो वायरल न करने के एवज में पैसों की मांग की। रेशू बुरी तरह फंस चुकी थी इसलिए वह रोहित और विशाल के कहे अनुसार उन्हें कभी घर से चुराकर तो कभी ऑन लाइन पैसा देने लगी। जांच में सामने आया है कि साल भर में आरोपियों ने रेशू से कम से कम दस लाख की रकम और जेवर ब्लैकमेल कर वसूली है। टीआई कोतवाली का कहना है कि आरोपियों के बारे में गहन जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने शहर में कुल कितनी बेटियों को इस तरह ब्लैकमेल किया है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

आज शादी कल...

पढ़कर तो पहली बात मन में आती है वह यहीं कि आज शादी कल कत्ल, दरअसल इन दिनों माहौल ही कुछ ऐसा चल रहा है। लेकिन यहां हम कत्ल की बात नहीं कर रहे हैं। यह मामला तो आज शादी होने वाले दूल्हे कल पिता बनने का है।

मामला प्रयागराज का है जहां दुल्हन ने सुहागरात के दूसरे दिन ही एक बच्चे का जन्म दिया। जिससे बच्चे के जन्म के बाद ससुराल वालों ने बहू को अपनाने से इनकार कर दिया।

शादी होने के 24 घंटे बाद ही पिता बने दूल्हे का कहना है कि यह मेरा बच्चा नहीं है। मेरी 4 महीने पहले ही शादी तय हुई थी। वहीं, दुल्हन के मायके वालों का कहना है कि शादी से पहले दोनों का मिलना-जुलना था।

घटना अनुसार प्रयागराज के करछना तहसील के युवक की 24 फरवरी को जसरा गांव में बारात गई थी। शादी के समय लड़की वालों ने बारातियों का स्वागत किया। इसके बाद दूल्हा-दुल्हन ने एक-दूसरे के गले में वरमाला डाली। शादी के अगले दिन 25 फरवरी को दुल्हन की विदाई हुई। विदाई के बाद घर पहुंची नई नवेली दुल्हन को देखने के लिए आस-पड़ोस के लोग और रिश्तेदार आने

लगे। दिनभर मुंह दिखाई का कार्यक्रम चला। इसके बाद शाम को दूल्हा दुल्हन को अलग कमरे में सोने के लिए भेज दिया गया।

बिना नेग लिए वापस गए किन्नर

इस मामले में रोचक तथ्य यह भी सामने आया कि शादी के दूसरे दिन किन्नर टोली शादी की बधाई लेने दूल्हे घर पहुंची तो वहां उन्हें दूल्हे के पिता बनने की जानकारी मिली। इस पर किन्नर टोली भी नहीं समझ पाई कि वे शादी की बधाई मांगे या वाप बनने की। इसलिए कुछ समय रुकने के बाद वे बिना बधाई लिए ही वापस चले गए।

अगले दिन दोपहर बाद बहू ने पेट में दर्द होने की बात कहने पर परिवार वाले उसे अस्पताल ले गए जहां 2 घंटे बाद ही दुल्हन ने एक स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया।

इस पर विवाद तो होना ही था सो पंचायत बुलाई गई। लड़की के मायके वालों का कहना था कि दूल्हा सगाई होने के बाद से ही उनकी बेटी से मिलता रहा है जबकि दूल्हा का कहना था कि उसकी सगाई केवल 4 महीने पहले हुई थी। उससे सगाई से शादी के बीच पत्नी के साथ संबंध स्थापित करने से भी इंकार किया। जबकि दुल्हन का भी कहना था कि बच्चा उसके पति का ही है। फिलहाल विवाद का हल नहीं हो सका है और दुल्हन को नवजात के साथ उसके मायके वाले अपने साथ ले गए है।

दतिया

शादी का वादा कर शोषण करने वाले प्रेमी ने कब्र में दूसरे शव के साथ दफन कर दिया प्रेमिका को

demo pic.

एक कब्र दो मुर्दे

एक गर्भ में दो जीव की घटना असामान्य नहीं है लेकिन एक कब्र में दो मुर्दे शायद ही किसी ने भी देखे-सुने हों। लेकिन दतिया में ऐसा ही एक मामला सामने आया जब एक दगाबाज प्रेमी ने शादी की जिद पर अड़ी माशूका से छुटकारा पाने उसे कब्र में दूसरे मुर्दे के साथ दफन कर दिया।

फरवरी के दूसरे हफ्ते में थानों में आने वाले अधिकांश मामले वेलेंटाइन-डे के रंग में डूबे होते हैं। इसलिए इस बार भी जब 15 फरवरी के रोज दतिया जिले के भगुवापुरा थाने में एक स्थानीय परिवार अपने 23 साल की जवान बेटी मोना (बदला नाम) की गुमशुदगी दर्ज करवाने पहुंचा तो पुलिस को समझने में देर नहीं लगी कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हो सकता है।

मोना के घर वालों ने अपनी शिकायत में पड़ोस में ही लगभग 500 मीटर दूर रहने वाले शादीशुदा युवक शंकर राजपूत पर बेटी के अपहरण करने का शक जाहिर किया। मामला गंभीर तो था लेकिन पुलिस ने परिवार वालों को एक-दो रोज बेटी के वापस लौटकर आने का इंतजार करने का कहकर रवाना कर दिया। पुलिस ने साथ नहीं दिया तो परिवार अपने स्तर पर बेटी की खोज में लगा रहा। इसके अलावा उनकी नजर शंकर पर थी जिससे उनकी बेटी न केवल फोन पर संपर्क में रहती थी बल्कि एक समय तो वह घर वालों के सामने शंकर के साथ शादी करने की जिद पर भी अड़ चुकी थी। भले की तीन साल पहले शंकर की पत्नी उसे छोड़कर चली गई हो लेकिन इससे वह कुंवारा तो नही हो जाता। शादीशुदा था और उसके नाराज होकर गई पत्नी कभी भी वापस आ सकती थी इसलिए मोना का परिवार बेटी की जिद के सामने नहीं झुका था। परिवार को शक था कि उनकी बेटी के लापता हो जाने के पीछे शंकर का हाथ हो सकता है लेकिन शंकर अपने घर पर मौजूद था और आम दिनों की तरह अपने काम में लगा था।

बहरहाल मोना 13 फरवरी की शाम से लापता थी 15 फरवरी को परिजन थाने पहुंचे थे और अब 20 फरवरी को दिन आ चुका था। इसलिए 7 दिन बीत जाने पर भी मोना का कुछ पता नहीं चला तो भगुवापुरा थाना टीआई शाकिर खान ने मोना की गुमशुदगी दर्ज करने के साथ ही पूछताछ के लिए शंकर को उठा लिया जिस पर मोना के परिजनों ने शक व्यक्त किया था।

शंकर ने पुलिस के सामने स्वीकार किया कि पिछले तीन साल से उसके मोना के साथ शारीरिक रिश्ते थे। दोनों एक दूसरे के साथ जिंदगी बिताना चाहते थे लेकिन मोना के परिवार वाले इसके लिए राजी नहीं थे इसलिए उसने मोना से शादी करने से मना कर दिया था।

क्या इसके बाद भी मोना तुम्हारे संपर्क में थी। शंकर का जबाव सुनकर एसडीओपी अखिलेश पुरी गोस्वामी ने उससे पूछा तो शंकर ने साफ मना कर दिया। उसका कहना था कि परिवार वालों के मना करने के बाद मोना ने उससे मिलना छोड़ दिया था। पुलिस जानती थी कि मोना के परिवार वालों के अनुसार मोना अभी भी शंकर के संपर्क में थी। इसलिए पुलिस ने शंकर और मोना के मोबाइल की काल डिटेल निकाली जिसमें पता चला कि शंकर और मोना की न केवल फोन पर लगातार बातचीत हो रही थी बल्कि 13 फरवरी को जब मोना घर से निकली थी उससे कुछ ही देर पहले शंकर की तरफ से उसे फोन किया गया था। इस जानकारी के बाद पुलिस ने शंकर के साथ सख्ती से पूछताछ की तो वह जल्द ही टूट गया। जिसके बाद उसने मोना द्वारा शादी करने की जिद से परेशान होकर उसकी हत्या करने की बात न केवल स्वीकार कर ली बल्कि स्थानीय कब्रिस्तान में एक कब्र में पहले दफन मुर्दे के साथ दफन की गई उसकी लाश भी बरामद करवा दी। जिसके बाद पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिये जाने के बाद कहानी इस प्रकार सामने आई।

32 वर्षीय शंकर की पत्नी कोई चार साल पहले किसी बात से नाराज होकर अपने मायके चली गई थी। शंकर को भरोसा था कि कुछ दिन बाद गुस्सा शांत होने पर उसकी पत्नी लौटकर वापस आ जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिए वक्त के साथ शंकर के मन को बीवी की कमी खलने के कारण वह आसपास नजर घुमा कर किसी ऐसी युवती की तलाश करने लगा जो उसकी जिंदगी में बीवी की कमी पूरी करने राजी हो।

संयोग से इसी बीच एक रोज शंकर बाजार से लौट रहा था तभी उसके घर से थोड़ी दूर रहने वाली मोना ने उसे सड़क पर रोककर पूछा- भाभी कहां हैं?

क्यों?

ऐसे ही उन्होंने ब्लाऊज सिलने को दिए थे। तैयार है लेकिन वे लेने नहीं आईं।

अब आएंगी भी नहीं।

क्या मतलब?

वो मुझे छोड़कर चली गई हैं। लेकिन मैं आपका नुकसान नहीं होने दूंगा, कितनी सिलाई हुई आपकी?

400 रुपए।

शंकर ने 400 रुपए जेब से निकाल कर मोना को दे दिए और बिना ब्लाऊज लिए ही वहां से चला गया।

दरअसल बीस साल की मोना अपनी मां के साथ घर में रहकर पीको आदि का काम करती थी। इसके अलावा वह शहर के टेलर्स से ब्लाऊज आदि भी सिलने के लिए घर लाती थी जिससे मोहल्ले की कुछ महिलाएं मोना से ही अपने कपड़े सिलवाने लगी थी।

सिलाई के पैसे देकर शंकर बिना कपड़े लिए चला गया तो मोना को बड़ा अजीब लगा इसलिए वह पीछे से शंकर की पत्नी के ब्लाऊज लेकर उसके घर पहुंच गई। उसने शंकर को ब्लाऊज दिए तो शंकर बोला ब्लाऊज आप छोड़ जाओ लेकिन अपना मोबाइल नंबर दे जाओ 10-15 दिन में वो वापस नहीं आई तो ले जाना किसी को भी दे देना।

अपना फोन नंबर देकर वापस जाती मोना की बल खाती कमर पर शंकर की नजर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। जिससे शंकर रोज मोना को वाट्सएप पर मैसेज करने लगा। मोना भी उसके मैसेज का जबाव देती जिससे जल्द ही उनके बीच दोस्ती हो जाने पर फोन पर बात होने लगी इसी दौरान एक रोज शंकर ने मोना के सामने प्रेम का प्रस्ताव रखा जिसे मोना ने मान लिया। इसलिए मोना शंकर से मिलने उसके घर जाने लगी। जहां कुछ दिनों बाद शंकर, मोना से शारीरिक सुख की मांग करने लगा लेकिन मोना ने साफ कह दिया कि अगर शादी करना है तो ही वह संबंध बनाने राजी होगी। शंकर ने देखा कि मोना इसके बिना आगे बढ़ने राजी नहीं है तो उसने मोना के साथ शादी करने का झूठा वादा कर दिया। मोना ने भी उसके वादे पर एतबार कर खुद को शंकर के लिए समर्पित कर दिया। जिससे दोनों के बीच आए दिन वासना का खेल शुरु हो गया।

अखिलेश पुरी गोस्वामी, एसडीओपी

इसी बीच घर में मोना की शादी की बात चली तो उसने साफ कह दिया कि वो शंकर से शादी करेगी। लेकिन मोना के घर वाले किसी कीमत पर इसके लिए राजी नहीं हुए। तो मोना ने शंकर से भागकर शादी करने को कहा इस पर शंकर आज-कल करके उसे टालने लगा। जिससे उसने शंकर को धमकी दी कि अगर उसने शादी नहीं की तो वह पुलिस में बलात्कार का मामला दर्ज करवा देगी। इससे डर कर मोना को रास्ते से हटाने की योजना बनाकर शंकर ने उससे वेलेंटाइन-डे के रोज शादी करने की बात कहकर घर बुलाया जिस पर मोना 13 फरवरी को बाजार जाने का बोलकर शंकर के घर जा पहुंची। जहां शंकर ने उससे कहा कि वो दोनों रात में शहर छोड़कर चलेंगे। इससे मोना शंकर के घर में ही छुपकर बैठ गई।इधर रात होते ही शंकर ने मोना के संग कई बार संबंध बनाए और फिर रात 12 बजे के आसपास संबंध बनाने के दौरान ही उसका गला घोंटकर हत्या कर दी।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

पहले तालाब में फेंकी फिर कब्र में दफन की लाश

आरोपी ने माना कि हत्या के बाद उसने रात में ही मोना का शव बोरी में भरकर तालाब में फेंक दिया था। लेकिन दूसरे दिन उसे लगा कि ऐसे तो शव की बदबू आने से वह पकड़ा जाएगा। इसलिए दूसरे दिन दोपहर में उसने तालाब से बोरी निकालकर पहले से दफन एक मुर्दे के साथ उसे कब्र में दफन कर दिया।

वादे पर एतबार कर मारी गई मोना

मृतका मोना और आरोपी शंकर ।

आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने मोना के साथ शादी करने के बारे में कभी नहीं सोचा। लेकिन शादी का वादा करने से पहले मोना उसके साथ नजदीकी बनाने राजी नहीं थी इसलिए उसने मोना से शादी का झूठा वादा कर उसके साथ संबंध बनाए थे। बाद में घर वालों के राजी न होने पर मोना मेरे साथ भागकर शादी करने का दबाव बना रही थी इसलिए उससे छुटकारा पाने के लिए मैंने उसकी हत्या कर दी।